

## यतीन्द्रसूरि दीक्षा शताब्दी स्मारक ग्रन्थ(फोल्डर नं. ५२०३६)

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

शुभकामना – सन्देशे ----- १-४८

व्यक्तित्व-कृतित्व

वर्तमान सन्दर्भ में आचार्य देव का प्रवचनसाहित्य -----	१
धरती पर सूरज उतरा -----	७
इतिहासज्ञ आचार्यदेव -----	१३
कुशल प्रवचनकार आचार्य भगवन् -----	१७
श्री अभिधान राजेन्द्र कोश और आचार्यश्री -----	२१
जीवन निर्माता गुरुदेव -----	२५
आचार्यश्री का यात्रा-साहित्य – एक अनुशीलन -----	३१
संयम पथ पर बढ़ते कदम -----	३९
शास्त्रार्थ में प्रवीण आचार्य देव -----	४५
आचार्य श्रीमद्विजययतीन्द्र सूरी जी द्वारा रचित साहित्य एक वर्गीकरण -----	४७
राग से वैराग्य की और -----	५०
जैनाचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरि -----	५३
आचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरि-विरचित -----	५७
भूगोलवेत्ता आचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी -----	६३
एक संकल्प-एक स्वप्न -----	६६
श्रीमद् यतीन्द्रसूरि-एक परिचय -----	६९
आचार्यश्री के प्रथम पुण्यदर्शन-----	७२
समाज-सुधारक आचार्य भगवन् -----	७६
पिताम्बर विजेता-यतीन्द्रसूरि -----	७९
आगम मर्मज्ञ आचार्य -----	८४
संघनायक आचार्य -----	८७
श्री यतीन्द्रसूरि दीक्षा शताब्दी -----	९५
भेदविज्ञान के ज्ञाता आचार्यश्री -----	९६

परिशिष्ट

श्री राजेन्द्रसूर्यभ्युदयावली -----	२
श्री राजेन्द्रसूरि जैन ग्रंथमाला -----	३
श्री राजेन्द्र प्रवचन कार्यालय सीरिज -----	४
श्री यतीन्द्रसूरि-साहित्य माला -----	५
श्री सौधर्म त्रिस्तुतिक गुर्वावली -----	७

ग्रन्थनायक के चातुर्मास -----	८
ग्रन्थनायक द्वारा दीक्षा बड़ी दीक्षाएँ -----	९
ग्रन्थनायक द्वारा लिखित साहित्य -----	११
ग्रन्थनायक द्वारा प्रतिष्ठाएं एवं अंजनशलाकाएँ -----	१३
ग्रन्थनायक द्वारा उपधानतप आराधना -----	१५
ग्रन्थनायक द्वारा की निकाली गई तीर्थ यात्राएँ -----	१६
मंगलाचरण -----	१७
कलशबंद स्तुति -----	१८
यतीन्द्र सूरिस्वरः -----	१९
अष्टकहार बन्धः -----	२०
गीतिका छन्द मय प्रार्थना -----	२१
शिखरणी-छन्दः -----	२१
वसंततालिका छन्दः -----	२२
उपेन्द्र वज्रा छन्दः -----	२३
पञ्चचामर छन्दः -----	२४
त्रिशन्मात्रिक चौपया छन्द -----	२६
गुरुवन्दना -----	२७
शार्दूल विक्रीडित छन्दः -----	२८
मालिनी छन्दः -----	२८
द्रुतविलम्बित वृत्तम् -----	२९
क्षमास्वापराधम् -----	२९
श्री यतीन्द्र-गरिमा -----	३०
शार्दूल विक्रीडित छन्द -----	३१
गुरुदेव स्तभः -----	३२
श्री गुरुवर -----	३२
स्वागत-स्तवक-गुच्छः -----	३४
गुरु-कीर्तनम् -----	३६
श्रीयतीन्द्र गुरु-गुणनुवादिः -----	३७
गुरुवन्दन् -----	३८
जयति-श्री यतीन्द्र -----	३८
क्षमापना स्तोत्रम् -----	३९
राग कल्याण ध्रुपद -----	४०
जैन आगम एवं साहित्य	
अष्टप्रातिहार्य का सन्देश – साध्वी मणिप्रभाश्रीजी -----	१
प्रति ग्राम नगर में सामायिक मंडल आवश्यक – साध्वी मणिप्रभाश्रीजी -----	३

अल्पा बहुत्व नु द्वारना अणु व प्रकार ना – शांतिलालजी मूथा -----	५
क्रिया – मुनि नरेन्द्रविजय -----	१०
देवार्चन और स्नात्रपूजा – मुनि जिनेन्द्रविजय -----	१७
आगमिक चूर्णिया और चूर्णिकार – डॉ. मोहनलाल महेता -----	२४
प्राचीन दिगम्बराचार्य और उनकी साहित्य साधना – डॉ. रमेशचन्द्र जैन -----	४२
षट्प्रभृत का रचनाकार कौन और उसका रचनाकाल – डॉ. के. आर. चन्द्र -----	६७
वसुदेव हिण्डी में वर्णित साध्वीयाँ – डॉ. रंजन सूरिदेव -----	७१
निर्युक्ति साहित्य-एक परिचय – डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय -----	७४
भाष्यकार-एक परिशीलन – समणि कुसुमप्रज्ञा -----	८३
छेदसूत्र एख अनुशीलन – मुनि दुलहराज -----	८८
भाष्य और भाष्यकार – डॉ. मोहनलाल महेता -----	९३
कीर्ति कौमुदी में प्रयुक्त छन्द – डॉ. अशोककुमार सिंह -----	९८
जैन आगमों की मूल भाषा-अर्धमागधी शौरसेनी – डॉ. सागरमल जैन -----	१०२
प्राकृत महाकाव्यों में ध्वनितत्व – डॉ. रंजन सूरिदेव -----	११७
अर्धमागधी आगम साहित्य-एक विमर्श – डॉ. सागरमल जैन -----	१२३
आगम साहित्य में प्रकीर्णको स्थान महत्व – डॉ. सागरमल जैन -----	१६४
निर्युक्ति साहित्य-एक पूनर्चिन्तन – डॉ. सागरमल जैन -----	१६९
आचारांगसूत्र-एक विश्लेषण – डॉ. सागरमल जैन -----	१८३
रामपुत्र या रामगुप्त सूत्र-कृताङ्ग के सन्दर्भ में – डॉ. सागरमल जैन -----	१९०
अंतकृतदशा की विषय वस्तु-एक पुनर्विचार – डॉ. सागरमल जैन -----	१९२
प्रश्न व्याकरण सूत्र की प्राचीन विषय वस्तु की खोज – डॉ. सागरमल जैन -----	१९६
<b>जैन दर्शन</b>	
जैनयोग का तत्त्वमीमांसीय आधार – डॉ. सुधा जैन -----	१
जैन दर्शन का परमाणुवाद – डॉ. लालचन्द्र जैन -----	९
जैन परमाणुवाद और विज्ञान – डॉ. रज्जनकुमार -----	१७
संभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र में प्रत्यक्षप्रमाण – डॉ. प्रकाश प्रमाण -----	२६
जैन तर्क में अनुमान – डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह -----	३९
जैन दर्शन में मानववादी-चिन्तन – डॉ. विजयकुमार -----	६२
आचार्य कुन्दकुन्द का मौलिक चिन्तन – डॉ. ऋषभचन्द्र जैन फौजदार -----	६८
जैन आचार में उत्सर्ग मार्ग और अपवाद मार्ग – डॉ. सागरमल जैन -----	७४
जैन धर्म में प्रायश्चित्त एवं दण्ड-व्यवस्था – डॉ. सागरमल जैन -----	७७
नीति मानवता वादीसिद्धान्त और जैन आचार दर्शन – डॉ. सागरमल जैन -----	८८
जैन आचार में अचेलकत्व और सचेलकत्व का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन -----	९२
जैन नीति दर्शन की सामाजिक सार्थकता – डॉ. सागरमल जैन -----	१०७
श्रावक आचार की प्रासङ्गीकता का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन -----	११४

## जैन धर्म

श्री नमस्कार महामंत्र – मुनि श्री देवेन्द्रविजयजी-----	१
जैन धर्म में तीर्थकर-एक विवेचन – डॉ. रमेशचन्द्र गुप्त -----	२०
जैन तीर्थकरों के लांछन – मुनि ऋषभचन्द्र विजय -----	५६
क्रान्तदर्शीशलाका पुरुष-भगवान महावीर – डॉ. रंजन सूरिदेव -----	६०
ऋषभनाथ-श्रमण और ब्राह्मण संस्कृतियों के समन्वय सेतु – डॉ. रंजन सूरिदेव -----	६४

## जैन साधना एवं आचार

ब्रह्मचर्य तपोतमम् – आचार्य यतीन्द्रसूरिधरजी -----	१
ब्रह्मचर्य-स्वरूप एवं साधना – उपाध्याय अमर मुनिजी -----	४
ब्रह्मचर्य – मुनि नरेन्द्र विजयजी -----	११
मंत्र की साधकता-एक विश्लेषण – श्री नन्दलाल जैन -----	१८
भारतीय चिन्तन में दान की महिमा – श्री बाबूलाल जैन -----	२५
एक चिन्तन – डॉ. रज्जनकुमार -----	२८
जैन योग में अनुप्रेक्षा – समणी नियोजिका मंगल प्रज्ञा -----	३२
जैन आचार संहिता – डॉ. सुधा जैन -----	३६
जैन न्याय में स्मृति प्रत्यभिज्ञान तथा तर्क – डॉ. वशिष्ठ नारायण सिन्हा -----	४७
जैन धर्म का त्रिविध साधना मार्ग – डॉ. सागरमल जैन -----	५५
जैन आगमों में समाधिमरण की अवधारणा – डॉ. सागरमल जैन -----	६१
जैन धर्म में स्वाध्याय का अर्थ एवं स्थान – डॉ. सागरमल जैन -----	६८
जैन साधना का आधार सम्यग्दर्शन – डॉ. सागरमल जैन -----	७२
जैन साधना में ध्यान – डॉ. सागरमल जैन -----	८८
जैन धर्म में पूजा विधान एवं धार्मिक अनुष्ठान – डॉ. सागरमल जैन -----	१०७
पर्युषण पर्व-एक विवेचन – डॉ. सागरमल जैन -----	११७

## इतिहास

जैन धर्म की परम्परा इतिहास के झरोखे से – डॉ. सागरमल जैन -----	१
प्राचीन मालवा के जैन विद्वान् और उनकी रचनाएँ – डॉ. तेजसिंह गौड़ -----	११
श्वेताम्बर सम्प्रदाय के गच्छों का सामत्य परिचय – डॉ. शिवप्रसाद -----	१८
चैत्र गच्छ का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद -----	३२
इतिहास-लेखन की भारतीय अवधारणा – डॉ. असीमकुमार मिश्र -----	५१
वैदिक एवं श्रमण वाङ्मय में नारी शिक्षा – डॉ. सुनीता कुमारि -----	५७
पल्लीवाल गच्छ का इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद -----	६२
प्राचीन एवं अर्वाचीन त्रिस्तुतिक गच्छ – डॉ. शिवप्रसाद -----	७२
छाजहड़ गौत्रिय ओसवाल वंश का इतिहास – श्री भँवरलाल नाहटा -----	१०३
जैसलमैर-पुरातात्त्विक तथ्य – श्री भँवरलाल नाहटा -----	११३
दक्षिण भारत का जैन पुरातत्व – डॉ. भागचन्द्र जैन -----	१२१

कोरटाजी तीर्थ प्राचीन इतिहास – आचार्य श्री यतीन्द्रसूरि -----	१३५
लक्ष्मणी तीर्थ इतिहास – मुनि श्री जयन्तविजयजी -----	१३९
मरूधर और मालव के पांच तीर्थ – मुनि श्री देवेन्द्रविजयजी -----	१४२
<b>आधुनिक सन्दर्भ में जैन धर्म</b>	
२१ वी सदी की प्रमुख समस्याएं और जैन दर्शन के परिप्रेक्ष में उनके समाधान – डॉ.	
सागरमल जैन -----	१
अपराध एवं उपकार की आध्यात्मिक समझ से तनाव मुक्ति – डॉ. पारसमल जैन -----	८
द्वन्द्व और उनका निवारण – डॉ. रामनारायण, डॉ. रज्जनकुमार -----	१४
चिकित्सा के प्रति समाज सांस्कृतिक उपागम – डॉ. रामनारायण, डॉ. रज्जनकुमार-----	२८
स्वास्थ्य और अध्यात्म – चंचलमल चोरडिया -----	३६
अज्ञान सभी रोगों का मूल है – चंचलमल चोरडिया -----	४०
जैन दर्शन में पर्यावरण संरक्षण – श्री कन्हैयालाल लोढा -----	४४
आकाश की अवधारणा-आगमों के विशेष सन्दर्भ में – डॉ. विजयकुमार -----	५३
व्यसन मुक्त हो जीवन – डॉ. सागरमल जैन -----	५९
जैन धर्म की परम्परा इतिहास के झरोखे से – डॉ. सागरमल जैन -----	६६
जैन इतिहास-अध्ययन विधि एवं मूल स्तोत्र – डॉ. सागरमल जैन -----	७४
जैन धर्म का विलुप्त सम्प्रदाय यापनीय – डॉ. सागरमल जैन -----	७८
समदर्शी आचार्य हरिभद्र – डॉ. सागरमल जैन -----	९०
आचार्य हेमचन्द्र-एक युगपुरुष – डॉ. सागरमल जैन-----	११४
जैन धर्म में तीर्थ की अवधारणा – डॉ. सागरमल जैन -----	११९
<b>समाज एवं संस्कृति</b>	
जैन एकता का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन -----	१
जैन धर्म में नारी की भूमिका – डॉ. सागरमल जैन -----	११
शुभः पुन्यस्य अशुभः पापस्य – डॉ. सागरमल जैन -----	३१
<b>English Division</b>	
Application of Anekantavada – Dr. Ramesh S Betai -----	1
On Mathematical Contents of jaina Prakrit Texts – A Brief Survey-----	14
Sadhna of Mahavira as Depicted in Upadhan Sruta – Dr. Ashokkumar Singh-----	19
Exposition of Naya in jaina Philosophy – Dr. Ajit Shuk Deo Sharma -----	24
The Mystic Syllable Om – Dr. A. N. Jain-----	31
<b>गुजराती विभाग</b>	
विनय – डॉ. रमणलाल यी. शाह -----	१
प्रभु साधेनी गोठहीने माणिये – आचार्य प्रद्युम्नविजयशु -----	१०
जैन धार्मिक सन्दर्भ अने मध्यकालिन गुजराती साहित्य – डॉ. कान्तिभाई सी. शाह -----	१२
जैन साहित्यमा हेम कुमार पाल संबंधित रूपक कथाओं – डॉ. प्रह्लाद पटेल -----	१५
अतिथार अने भारतीय झैजधारी धारो – डॉ. कविन शाह -----	२०

મોહનવિજય કૃત ચન્દ્ર રાજાનો રાસ – ડૉ. કીર્તિદા જોશી -----	૨૭
અગડ દત્ત કથા – શ્રીમતિ કલ્પના કનુભાઈ સેઠ -----	૩૩
સાધુ સન્તોની વાણીયાં પ્રગટ થતિ વિન સમ્પ્રાદિતા અને સામાજિક સંવાદિતા– ડૉ. કનુભાઈ સેઠ -----	૩૯
દીક્ષાના પ્રકારો – સાધ્વી શ્રી મોક્ષગણાશ્રીજી -----	૪૩
આર્ય વજ્રસ્વામી – ડૉ. તારાબેન રમણલાલ શાહ -----	૪૮